SHIKSHA SAMVAD
International Journal of Multidisciplinary Research
ISSN: 2584-0983 (Online)
© Shiksha Samvad|Volume-02| Issue-04| June- 2025
Available online at: https://shikshasamvad.com/

गोण्डा जनपद का विकासखण्ड वार जनसंख्या वृद्धि का प्रतिकात्मक अध्ययन

डॉ0 अजहरूद्दीन
असि0 प्रोफेसर, भूगोल, एम0एल0के0पी0जी0कालेज, बलरामपुर
Email: azhar3190mlk@gmail.com

सारांश

विश्व में अथवा विश्व के किसी भी एक विशेष क्षेत्र में जनसंख्या वृद्धि का जनांकिकीय गत्यात्मकता पर प्रभाव पड़ता है तथा जनसंख्या वृद्धि के फलस्वरुप संसाधनों पर निर्भरता बढ़ जाती है। जनसंख्या की वृद्धि से राजनीतिक, सामाजिक जागरूकता व आर्थिक विकास का अध्ययन सरल हो जाता है क्योंकि जनसंख्या व संसाधन एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। भारत जैसे उभरते राष्ट्र में जनसंख्या वृद्धि की गति निरंतर बढ़ी है। सरकारों के द्वारा जनसंख्या की गति को रोकने के लिए समय–समय पर प्रयास किए गए हैं। गोंडा जनपद उत्तर में स्थित वृहद गंगा के समप्राय मैदान में अवस्थित क्षेत्र है। जनपद के घागरा राप्ती दोआब क्षेत्र में बसे होने के कारण अत्यधिक उपजाऊ क्षेत्र है घाघरा, टेढ़ी, वह कुआनो नदियों ने जनपद का प्राकृतिक सीमा निर्धारित की है।

मुख्य बिन्दु–
जनांकिकीय गत्यात्मकता, संसाधन, आर्थिक विकास, समप्राय मैदान, दोआब, उपजाऊ क्षेत्र।

भूमिका–

विश्व में अथवा विश्व के किसी भी एक विशेष क्षेत्र में जनसंख्या वृद्धि का जनांकिकीय गत्यात्मकता पर प्रभाव पड़ता है तथा जनसंख्या वृद्धि के फलस्वरुप संसाधनों पर निर्भरता बढ़ जाती है। इन सभी का अध्ययन जनसंख्या से संबंधित सूचनाओं (आंकड़ों) के आधार पर किया जाता है। जनसंख्या की वृद्धि से राजनीतिक, सामाजिक जागरूकता व आर्थिक विकास का अध्ययन सरल हो जाता है क्योंकि जनसंख्या व संसाधन एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। यदि इसका अध्ययन किया जाए तो उस क्षेत्र की आर्थिक उन्नति तथा उसके गति और दिशा का भी सरलता से अध्ययन किया जा सकता है। जनसंख्या वृद्धि के कारण उस क्षेत्र में वहां पर उपस्थित भोज्य पदार्थों तथा संसाधनों पर निरंतर दबाव बढ़ता रहता है। भारत जैसे उभरते राष्ट्र में जनसंख्या वृद्धि की गति निरंतर बढ़ी है। सरकारों के द्वारा जनसंख्या की गति को रोकने के लिए समय–समय पर प्रयास किए गए हैं।

अध्ययन क्षेत्र का भौगोलिक परिचय

गोंडा जनपद उत्तर में स्थित वृहद गंगा के समप्राय मैदान में अवस्थित क्षेत्र है। जनपद के घागरा राप्ती दोआब क्षेत्र में बसे होने के कारण अत्यधिक उपजाऊ क्षेत्र है घाघरा, टेढ़ी, वह कुआनो नदियों ने जनपद का प्राकृतिक सीमा निर्धारित की है। जनपद उत्तर में बलरामपुर पूर्व में बस्ती दक्षिण में बाराबंकी फैजाबाद तथा पश्चिम में बहराइच जिले से घिरा हुआ है। गोंडा जनपद देवीपाटन मंडल के अंतर्गत आता है जिसका मुख्यालय भी जनपद की है देवीपाटन मंडल के अंतर्गत 4 जिले सम्मिलित है जो बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, वह गोंडा जनपद है गोंडा को छोड़कर अन्य सभी जिलों की सीमाएं अंतरराष्ट्रीय सीमा बनाते हैं जो कि नेपाल के साथ बनाती हैं

भौगोलिक दृष्टि से गोंडा जनपद 26°40श उत्तरी अक्षांश से 27°55' उत्तरी अक्षांश तथा 81°34' पूर्वी देशांतर से 82°40' पूर्वी देशांतर के मध्य अवस्थित है। इसकी लंबाई व चौड़ाई में ज्यादा अंतर नहीं है जनपद की लंबाई उत्तर दक्षिण 109 किलोमीटर तथा चौड़ाई पूरब पश्चिम 106 किलोमीटर हैं। जनपद का कुल क्षेत्रफल 4003 वर्ग किलोमीटर है। जोकि प्रदेश के कुल क्षेत्रफल का 1.64 प्रतिशत है जनपद में 4 तहसीलें हैं गोंडा, मनकापुर, तरबगंज व करनैलगंज इस की प्रशासनिक व्यवस्था में चार तहसील 16 विकासखंड 116 न्याय पंचायत तथा 1214 ग्राम सभाएं हैं।

जनपद की वर्तमान जनसंख्या (2011 जनगणना) 3433000 है जोकि 2001 की जनगणना 2765000 से 24. 15ः कि दर से बड़ी है। जनपद का घनत्व 858 है जो कि प्रदेश के जनघनत्व से भी ज्यादा है पूर्वोत्तर रेलवे के महत्वपूर्ण जंक्शन होने के कारण जनपद भारत के महत्वपूर्ण शहरों के साथ सीधा जुड़ा हुआ है। जिसके कारण जनपद यातायात के नजरिए से महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है वर्तमान समय में जनपद के प्रगति में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिल रहा है तथा जनपद विकास के पथ पर निरंतर गति से अग्रसर हो रहा है।

चित्र–1 गोंडा जनपद जनसंख्या वृद्धि

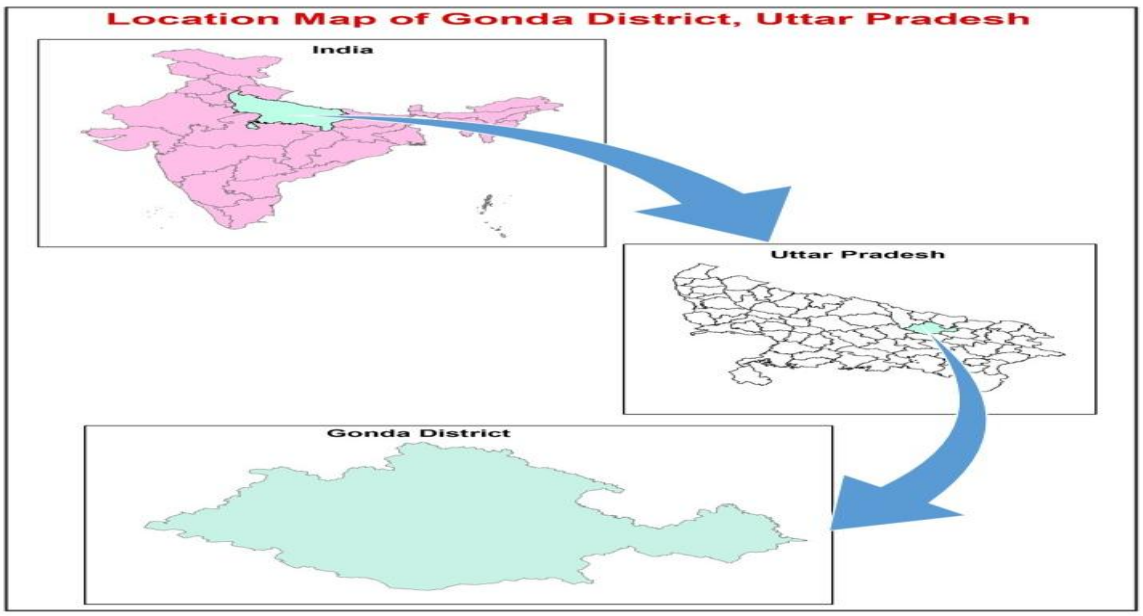

स्रोत – https://www.diva-gis.org/datadown

जनपद का विकासखण्डवार जनसंख्या का अध्ययन–

गोण्डा जनपद में जनसंख्या वृद्धि के क्षेत्रीय प्रतिरूप में विविधता दिखाई देती है। इसका मुख्य कारण, शिक्षा, सामाजिक जागरूकता तथा प्रशासनिक सहभागिता है। जिसके परिणाम स्वरूप जनसंख्या में व्यापक अंतर दिखाई पड़ता है।

© Shiksha Samvad| Received: 01 June 2025 | Accepted: 05 June 2025 | Published: 11 June 2025

तालिका 1 गोण्डा जनपद : जनसंख्या में दशकीय अंतर

विकासखण्ड	जनसंख्या (2001)	जनसंख्या (2011)	दशकीय अंतर (प्रतिशत में)
रूपईडीहा	194289	254401	30.94
इटियाथोक	161528	198947	23.56
पडरी कृपाल	102606	131171	27.84
झंझरी	198666	232034	16.8
मुजेहना	164704	208704	26.67
कटरा बाजार	159587	211570	32.57
हलधरमऊ	134674	174127	29.3
करनैलगंज	140049	179631	28.26
परसपुर	203937	236098	15.77
बेलसर	163948	207151	26.35
तरबगंज	136287	161521	18.52
वजीरगंज	149084	184793	23.95
नवाबगंज	148926	186384	24.54
मनकापुर	184974	235879	27.2
बभनजोत	169994	219005	28.83
छपिया	156820	188126	19.96

स्त्रोत– सांख्यिकी पत्रिका गोण्डा जनपद

उपरोक्त तालिका में 1991 से 2001 तथा 2001 से 2011 के मध्य तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। तालिका के अनुसार 1991 से 2001 के मध्य सबसे अधिक जनसंख्या वृद्धि इटियाथोक विकासखंड में 32.62 रही है तथा सबसे निम्न तरबगंज विकासखंड में 18.37 प्रतिशत रही है जबकि 2001 से 2011 के मध्य सबसे अधिक जनसंख्या वृद्धि झंझरी विकासखंड में 32.24 प्रतिशत तथा सबसे कम 16.50 प्रतिशत बभनजोत विकासखंड में रही है।

ग्राफ–1 गोण्डा जनपद की जनसंख्या का क्षेत्रीय प्रतिरूप

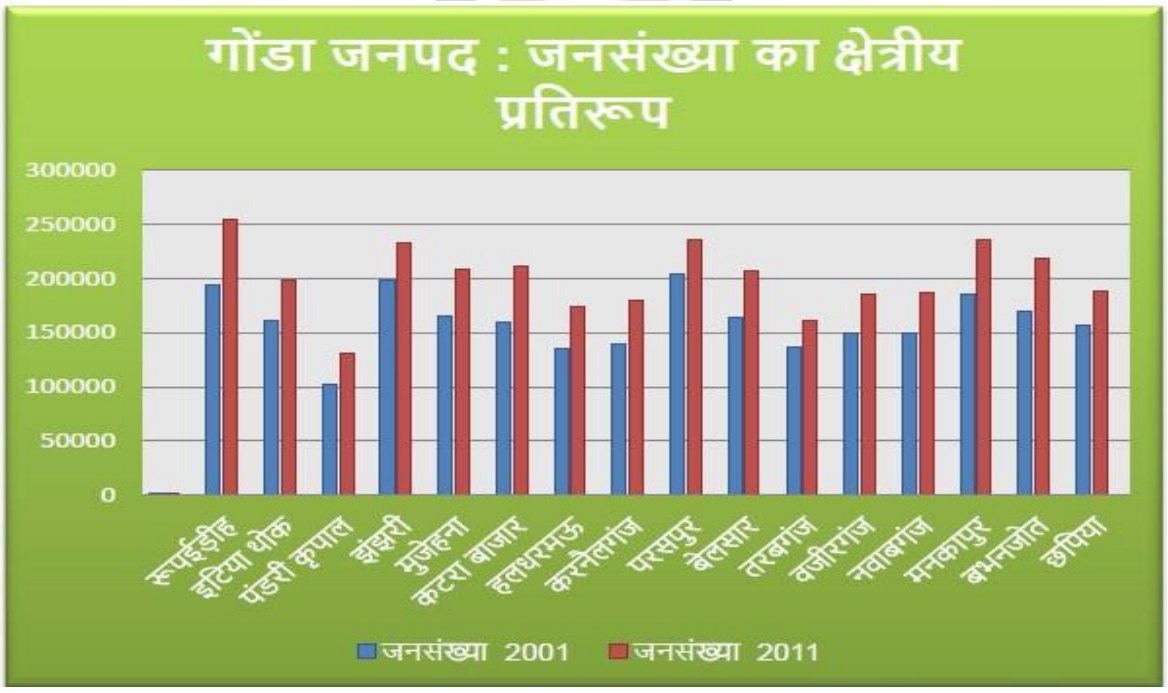

इस आंकड़े से स्पष्ट होता है कि जनसंख्या वृद्धि में कमी दर्ज की गई है। दोनों दशकों में जनसंख्या वृद्धि का क्षेत्रीय प्रतिरूप से समझा जा सकता है।

तालिका–2 गोण्डा जनपद : जनसंख्या वितरण प्रतिरूप

संवर्ग	दशकीय अंतर (प्रतिशत में)	विकाखण्डों की संख्या	
		1991–2001	2001–2011
अति न्यून	15 से कम	–	–
न्यून	15–20	3	2
मध्यम	20–25	3	6
उच्च	25–30	8	5
अति उच्च	30 से अधिक	2	3

स्रोत– शोधार्थी द्वारा परिगणित

निष्कर्ष एवं परिणाम–

गोंडा जनपद के क्षेत्रीय प्रतिरूप का अध्ययन करने के लिए दो दशकों के आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। जिसमें गोंडा जनपद के समस्त विकास खंडों कुल 16 को सम्मिलित किया गया है। जिसका सरलता से अध्ययन करने के लिए चित्र 3.2 का प्रयोग किया गया है। इसके विवरण को पांच खंडों में विभक्त किया गया है जिसका वर्णन निम्न प्रकार से है।

अति न्यून संवर्ग के अंतर्गत केवल वे विकासखंडों को रखा गया है जिनका जन्म वृद्धि का प्रतिशत 15 से कम है इस संवर्ग में कोई भी विकासखंड नहीं है।

न्यून संवर्ग के अंतर्गत 15 से 20% जनसंख्या वृद्धि करने वाले विकास खंडों को रखा गया है। 1991–2001 के मध्य इस संवर्ग के अंतर्गत तीन विकासखंड करनैलगंज, तरबगंज, नवाबगंज तथा 2011 के अंतर्गत मनकापुर, बभनजोत विकासखंड सम्मिलित हैं।

मध्यम संवर्ग के अंतर्गत 20 से 25% की दर से जनसंख्या में वृद्धि करने वाले विकास खंडों को रखा गया है। 1991–2001 के बीच झंझरी, परसपुर और बेलसार विकासखंड तथा 2001–2011 के मध्य विकासखंड मुजेहना, हलधरमऊ, करनैलगंज, परसपुर, नवाबगंज, छपिया विकासखंड शामिल है।

उच्च संवर्ग में उन विकास खंडों को शामिल किया गया है जिनका दशकीय वृद्धि दर 25 से 30% के बीच में है जनपद के कुल 1991 से 2001 के बीच आठ विकासखंड पंडरी कृपाल मुजेहना, कटरा बाजार, हलधरमऊ, वजीरगंज, मनकापुर, बभनजोत व छपिया तथा 2011 के मध्य विकासखंड इटियाथोक, कटरा बाजार, बेलसार, तरबगंज व वजीरगंज शामिल है।

इस संवर्ग के अंतर्गत वे विकासखंड सम्मिलित हैं जिनका जन्म वृद्धि दर 30 से भी अधिक है इन संवर्ग के अंतर्गत 1991 से 2001 के मध्य जनपद के दो विकासखंड रुपईडीह, इटियाथोक तथा 2001 से 2011 के मध्य 3 विकासखंड रुपईडीह, झंझरी व पंडरी कृपाल शामिल है।

© Shiksha Samvad| Received: 01 June 2025 | Accepted: 05 June 2025 | Published: 11 June 2025

चित्र–2 गोंडा जनपद जनसंख्या वृद्धि

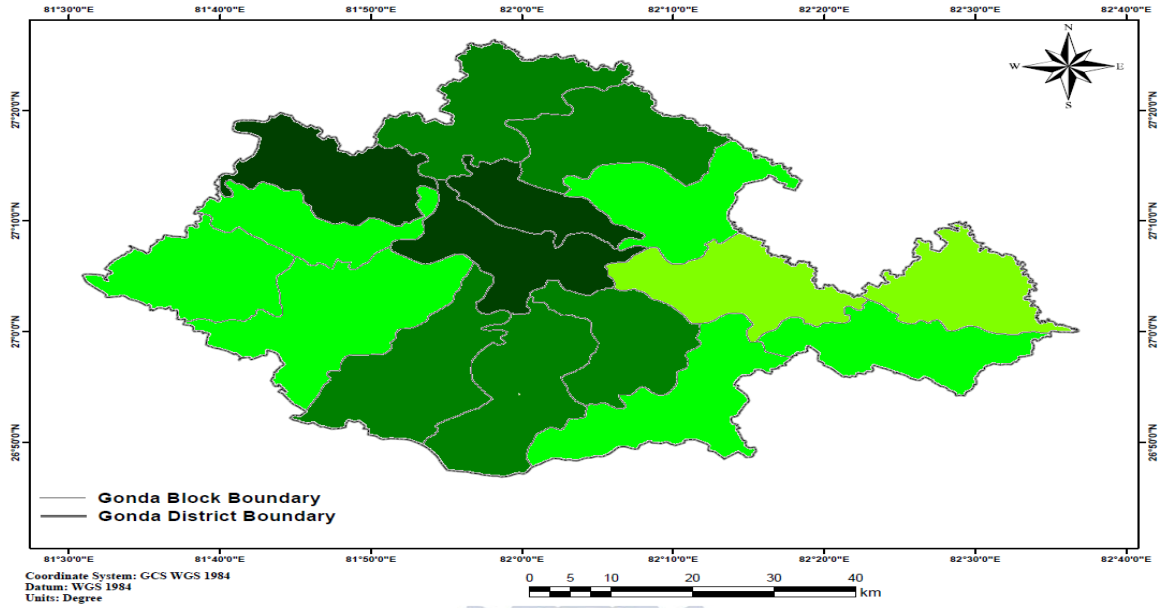

संकेतक

न्यून
सामान्य
मध्यम
उच्च
अति उच्च

चित्र–3 गोंडा जनपद जनसंख्या वृद्धि

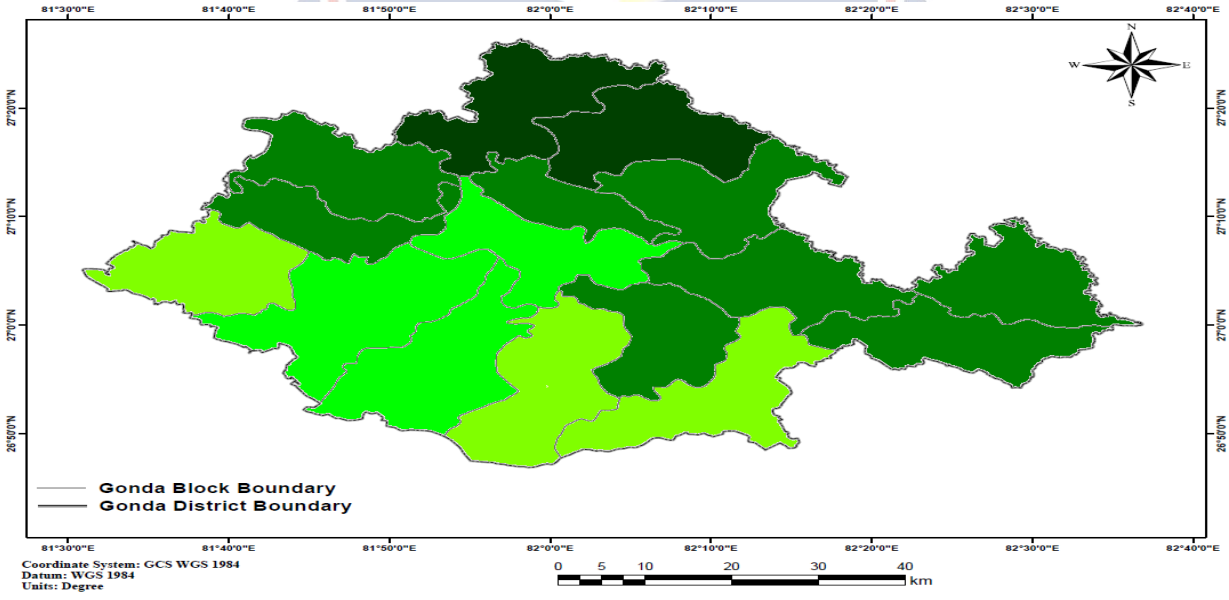

संकेतक

न्यून
सामान्य
मध्यम
उच्च
अति उच्च

© Shiksha Samvad| Received: 01 June 2025 | Accepted: 05 June 2025 | Published: 11 June 2025

संदर्भ

- मिश्र, डी० के० (1998) : जनसंख्या दबाव एवं खाद्यपूर्ति जनपद जौनपुर का प्रतीक अध्ययन, उ० मा० भू० पत्रिका, अंक 34. पृ० संख्या 1–2
- मिश्र, वंदना (2007) : ग्रामीण कृषि क्षेत्र पर औद्योगिकरण का प्रभाव, फरेन्दा तहसील का एक प्रतीक अध्ययन (शोध प्रबन्ध) भूगोल विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर ।
- मिश्र, श्रीकांत (1976) : भारत में कृषि विकास, दि मैकमिलन कम्पनी, आफ इण्डिया लिव, नई दिल्ली, पृ0 291
- मोदी, कृष्ण मुरारी (2009) : कृषि विकास की दिशा में उठाये गये कदम, कुरूक्षेत्र पत्रिका, फरवरी, पृ० 3–41
- राजपूत, बी० एस० (2006) : बुन्देलखण्ड क्षेत्र में जनसंख्या, खाद्य संसाधन एवं कृषि विकास का स्तर उ० भा० भू० पत्रिका, अंक 36, पृ० 14–19.
- सिंह, धनंजय (2001) : जनसंख्या वृद्धि का प्रतिरुप एवं प्रभाव पूर्वी उत्तर प्रदेश का एक प्रतीक अध्ययन। उ० भा० भू० पत्रिका, अंक–37. पृ० 99–106
- Hussain, M., (1970) : Pattern of Crop Concentration in Uttar Pradesh
- Karve, D.G. (1957) : Community Development and Village Upliftment, Kurukshetra, May 1957, p.p.7-9.
- Krishnan, M.S. (1960) : "Geological of India and Burma Madras, P- 57
- Kayastha, S.L. & Mishra, S.N. (1973) : Agricultural Innovations Among Farmers of Mahasu, Mandi and Kinnaur (H.P.): Correlates and Levels, National Geographical Journal of India, Vol 14, 1-14.
- सिंह, आर0एल0 (1975) : रीडिंग जियोग्राफी इन रूरल सटिलमेन्ट एन०जी०एस०आई० दिसम्बर, पृ0सं0 4.
- मौर्य, एस0डी0 (1981) : पापुलेशन एण्ड हाउसिंग प्राबलम" यूथ पब्लिकेशन, इलाहाबाद, पृ० सं० 2
- डॉ० सी०बी० मेमोरिया : भारत का भूगोल, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा।
- यादव, हीरालाल (1997) : जनसंख्या भूगोल, वसुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर।
- चाँदना, आर०सी० (2002) : जनसंख्या भूगोल कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली
- सी0बी0 मामोरिया 1982 : ज्योग्राफी ऑफ इण्डियन एग्रीकल्चरल ज्योग्राफी, आगरा
- मौर्य एस0डी0, : जनसंख्या भूगोल (2005) शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
- सिंह ब्रजभूषण : कृषि भूगोल, ज्ञानोदय प्रकाशन, गोरखपुर, 1988
- शर्मा, बी0एल0 : कृषि भूगोल, साहित्य भवन, आगरा, 1990
- कृषि व पशुपालन – खरीफ विशेषांक कृषि विभाग, उ०प्र०, लखनऊ।

SHIKSHA SAMVAD
PASSION TOWARDS EXCELLENCE

- कृषि व पशुपालन रबी विशेषांक कृषि विभाग, उ०प्र०, लखनऊ।
- कृषि ज्ञान मंजूषा, कृषि विभाग उ०प्र०, लखनऊ।
- खरीफ फसलें की सघन पद्धतियाँ कृषि विभाग, उ०प्र०, लखनऊ ।
- धान के प्रमुख नाशीजीव व उनका प्रबन्धन कृषि विभाग, उ०प्र० लखनऊ।
- गेहूँ के प्रमुख नाशीजीव व उनका प्रबन्धन कृषि विभाग, उ०प्र०, लखनऊ ।
- जैविक खेती प्रसार शिक्षा एवं प्रशिक्षण ब्यूरो, कृषि विभाग, उ०प्र०, लखनऊ।

This is an Open Access Journal / article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License CC BY-NC-ND 3.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited. All rights reserved

Cite this Article:

डॉ0 अजहरूद्दीन, "*गोण्डा जनपद का विकासखण्डवार जनसंख्या वृद्धि का प्रतिकात्मक अध्ययन*", *Shiksha Samvad International Open Access Peer-Reviewed & Refereed Journal of Multidisciplinary Research, ISSN: 2584-0983 (Online), Volume 2, Issue 4, pp.82-88, June 2025. Journal URL: https://shikshasamvad.com/*

CERTIFICATE

of Publication

This Certificate is proudly presented to

डॉ0 अजहरूद्दीन

For publication of research paper title

"गोण्डा जनपद का विकासखण्डवार जनसंख्या वृद्धि का प्रतिकात्मक अध्ययन"

Published in 'Shiksha Samvad' Peer-Reviewed and Refereed Research Journal and E-ISSN: 2584-0983(Online), Volume-02, Issue-04, Month June 2025, Impact-Factor, RPRI-3.87.

Dr. Neeraj Yadav
Editor-In-Chief

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Executive-chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at: https://shikshasamvad.com/